आबू रोड, 20 दिसम्बर। स्वच्छ भारत मिशन में एक कदम आगे बढ़ाते हुए पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति में ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में आरवीएम मशीन स्थापित की गयी। जिसमें अनुपयोगी प्लास्टिक की बोतल को क्रस कर उसे उपयोग में लाया जा सकेगा। मशीन का उद्घाटन करने पहुंचे दीन दयाल उपाध्याय स्मृति मंच के संस्थापक मधु शर्मा ने कहा कि इससे देश में बढ़ते प्लास्टिक के दुष्प्रभाव को रोका तो जा ही सकेगा साथ ही वेस्ट को बेस्ट बनाया जा सकता है। वे मशीन के उदघाटन अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रही थी।

उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान स्वच्छता के लिए काफी सजग है और लोगों को तन के साथ मन को स्वच्छ रखने की कला सिखायी जाती है। मानसिक प्रदूषण को भी समाप्त करने की पहल सराहनीय है। हम लोग सन् 1995 से ही इस अभियान में लगे है अब धीरे धीरे में हम उस दिशा में काफी आगे बढ़ रहे है। ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी जी स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड अम्बेसडर है।

आबू रोड नगरपालिका अध्यक्ष सुरेश सिंदल ने कहा कि प्लास्टिक से मुक्ति के साथ हमें निगेटिवीटी से भी मुक्त होना है। ब्रह्माकुमारीज संस्था पूरे विश्व में यह कार्य कर रहा है। हमें इसका सहयोग करना चाहिए। इस अवसर पर मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करूणा इस पुनित कार्य को पूरे विश्व तक पहुंचाने का कार्य ब्रह्माकुमारीज संस्थान करेगी। ब्रह्माकुमारीज संस्थान का यही लक्ष्य रहा है कि हम लोगों को स्वच्छता, सदभावना और सादगी के लिए प्रोत्साहित करें।

पं. दीन दयाल स्मृ ितमंच के अध्यक्ष डॉ. विनोद शुक्ला ने कहा कि प्लास्टिक रूपी कचरा का नष्ट होना बहुत जरूरी है। इसके लिए सरकार, समाज, उद्योगों और हम सबको मिलजुल कर कार्य को वेस्ट से वेल्थ बनाना होगा। जब तक हमारे अंदर कल्याण भाव और अच्छी भावनायें नहीं होगी तब तक कचरा साफ नहीं होगा। ज्ञान सरोवर की डायरेक्टर बीके निर्मला, सोशल एक्टिविटी ग्रुप के अध्यक्ष बीके भरत ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि भारत ही पूरी दुनिया स्थूल के साथ सूक्ष्म कचरे से मुक्त बनें।

इस अवसर पर मंच के उपाध्यक्ष डॉ. विजय शर्मा, यातायात एवं परिवहन प्रभाग की उपाध्यक्ष बीके दिव्या, लंदन की बीके गोपी, समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी।

गौरतलब हो कि पं. दीनदयाल उपाध्याय 1994 से सोसाइटी की सेवा में समर्पित है। जो पर्यावरण, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, ग्राम विकास, शिक्षा और आध्यामिक उन्नति इन छरू विषयों पर कार्य कर रही है। जो पर्यावरण क्षेत्र पर ज्यादा सक्रिय रूप से काम कर रही है।